Name :- Soni Kumari
Class :- B.A II year
Deptt :- Sanskrit

तत्पुरुष समास

संमसनं समासः अर्थात संक्षिप्तीकरण को समास कहते हैं। दो या दो से शब्दों से मिलकर बने हुए एक नवीन एवं सार्थक शब्द को समास कहते हैं। संस्कृत में लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार समास पाँच प्रकार के हैं —

(1) केवल समास (2) अव्ययीभाव समास
(3) तत्पुरुष समास (4) बहुव्रीहि समास (5) द्वन्द्व समास

तत्पुरुष समास — कर्मधारय, द्विगु

तत्पुरुष समास

प्रायेणोत्तरपदार्थप्रधानस्तत्पुरुष तृतीयः। तत्पुरुष भेदः कर्मधारयः। कर्मधारयभेदो द्विगुः।

अर्थात जिसमें प्रायः उत्तर पद का अर्थ प्रधान हो वह तत्पुरुष समास होता है। समास में इसका तीसरा स्थान है। जैसे :- गङ्गायाः जलम् = गङ्गाजलम्। यहाँ वक्ता के 'गङ्गाजलम् आनय' इस वाक्य से जल लाने के आदेश का बोध होता है, न कि गङ्गा जल को लाने का। इसलिए उत्तर पद (जलम्) की प्रधानता के कारण यह तत्पुरुष समास हुआ।

तत्पुरुष समास का एक भेद कर्मधारय है। जिसमें विशेष्य एवं विशेषण में समास होता है उसे कर्मधारय समास कहते हैं। जैसे — पक्वान्नम् (पक्वं च तद् अन्नं च = पका अन्न) - यहाँ 'पका' विशेषण है और 'अन्न' विशेष्य। अतः इन दोनों में समास होने से यह कर्मधारय समास हुआ।

कर्मधारय का एक अन्य भेद द्विगु है। इसमें ~~सांख्या~~ संख्या वाचक विशेषण और विशेष्य में समास होता है। जैसे — सप्तगङ्गम् - सप्तानां गङ्गानां समाहारः (सात गंगाओं का समूह) - यहाँ विशेषण 'सप्त' संख्यावाचक है। अतः इन दोनों का समास होने से द्विगु समास हुआ।

तत्पुरुषः

(1) अधिकारोऽयं प्राग्बहुव्रीहेः।

⇒ यह एक अधिकार सूत्र है जिसका अधिकार क्षेत्र शेषो बहुव्रीहिः सूत्र से पूर्व अर्थात 'क्त्वा च' सूत्र तक है चूंकि प्राग्बहुव्रीहेः कहने मात्र से सूत्र का अर्थ स्पष्ट नहीं होता अतः इसकी स्पष्टीकरण के लिए 'प्राक्कडारात् समासः' से का का अधिकार प्राप्त होता है। अतः सूत्र का अर्थ होता है — इस सूत्र से लेकर 'क्त्वा च' तक के सूत्रों से जो समास होता है उसे तत्पुरुष समास कहते हैं।

द्विगुश्च

(2) द्विगुरपि तत्पुरुषसंज्ञः स्यात्।

⇒ सूत्रस्थ द्विगुश्च मात्र कहने से सूत्र का अर्थ प्रतीत नहीं होता अतः इसकी स्पष्टीकरण के लिए 'तत्पुरुषः सूत्र' की अनुवृत्ति करते हैं। इसप्रकार सूत्र का अर्थ है — द्विगु समास भी तत्पुरुषसंज्ञक होता है। तात्पर्य यह है कि द्विगु समास तत्पुरुष समास के अन्तर्गत उसका एक भेद है।

— x — x —